नईदुनिया

अनुगूंज हमारी सांस्कृतिक विरासत के विस्तार और...

युवा प्रतिभाओं के लिए सुनहरा मंचः डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अनुगूंज जैसे आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका भी देते हैं। कला हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। कला से कलह का शमन होता है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आहवान किया कि वे अपने भीतर छिपी संभावनाओं को पहचाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि युवाओं को शिक्षा, कला, साहित्य और खेलों में समुचित प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूल और यहां पढ़ने वाले बच्चे हमेशा से ही

सभी प्रतिभागी 16 टीमों को मिलेंगे एक-एक लाख रूपए

प्रतिभाशाली रहे हैं। डॉ. यादव ने शुक्रवार शाम को शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उमावि में राज्यस्तरीय अनुगूंज कार्यक्रम 2024 में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की। उनकी प्रस्तुतियों से प्रसन्न होकर मंच से सभी प्रतिभागी 16 टीमों को राज्य शासन की ओर से एक-एक लाख रूपए देने की घोषणा की। डॉ. यादव ने गीत-संगीत, नृत्य, वादन एवं रंग मंच से जुड़े 7 मेंटर्स (प्रयोगधर्मी कलाकारों) को मंच से सम्मानित किया और उनके परिश्रम और समर्पण की भी प्रशंसा की। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हम प्रदेश में स्कूल शिक्षा को और बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम स्कूलों के अधोसंरचनात्मक विकास, आधु-निकीकरण, डिजिटल एजुकेशन और विद्यार्थियों की भावी जरूरत के मुताबिक शिक्षा की ओर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि यह अनुगूंज का छठवां संस्करण है। यह शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों की कला अभिव्यक्ति के प्रदर्शन का एक सशक्त मंच बनकर उभरा है। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने सभी का आभार माना।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल का फ्रैक्चर हॉस्पिटल पहुंचकर कुशलक्षेम जाना और जल्द स्वस्थ लाभ की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी भी उपस्थित रहे

सेंधवा और निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं का भूमिपूजन आज

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जनवरी को सेंधवा कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़वानी जिले के 2 परियोजनाएं सेंधवा और निवाली उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना का भूमि पूजन भी करेंगे।

साथ ही 2580.827 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले 13 कार्यो का भूमि-पूजन तथा 58.463 करोड़ रुपये की लागत के 19 कार्यो का लोकार्पण करेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई रकबे में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में वर्ष 2003 में सिंचाई का रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। वर्ष 2028-29 तक 1 करोड़ हेक्टेयर करने का हमारा लक्ष्य है। 1402.74 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले के 98 ग्रामों में लगभग 44148.50 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होगी। परियोजना से लगभग 53 हजार कृषक लाभान्वित होंगे। बड़वानी तहसील के ग्राम खेड़ी के समीप से नर्मदा नदी के जल को 2.70 मीटर व्यास की पाईप लाईन के माध्यम से 501 मीटर की उंचाई तक जल उद्वहन किया जायेगा। दाबयुक्त जल से कृषक स्प्रिंकलर/ड्रिप के माध्यम से सिंचाई का लाभ ले सकेंगे एवं कम जल से अधिक सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस पद्धति से सिंचाई हेतु किसानों को भूमि समतल करने की आवश्यकता नहीं होगी। परियोजना के मुख्य पाईप लाईन की कुल लंबाई 56.394 किलोमीटर है। परियोजना से लाभान्वित ग्राम - सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से सेंधवा तहसील के 67 ग्राम, राजपुर तहसील के 24 ग्राम, निवाली तहसील के 06 ग्राम, बड़वानी तहसील के 01 ग्राम के कृषक लाभान्वित होंगे।

निवाली उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना

1088.24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली निवाली माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना से जिले के 87 ग्रामों में लगभग 33 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना अंतर्गत तहसील पाटी के ग्राम बोरखेड़ी के समीप से नर्मदा नदी के जल को 2.60 मीटर व्यास की पाईप लाईन के माध्यम से 465 मीटर की उंचाई तक जल उद्वहन किया जायेगा। दाबयुक्त जल से कृषक स्प्रिंकलर/ड्रिप के माध्यम से सिंचाई का लाभ ले सकेंगे एवं कम जल से अधिक सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस पद्धति से सिंचाई हेतु किसानों को भूमि समतल करने की आवश्यकता नही होगी। परियोजना के मुख्य पाईप लाईन की कुल लंबाई 40.183 किलोमीटर है। परियोजना से तहसील पाटी के 29 ग्राम, बड़वानी के 26 ग्राम और निवाली के 32 ग्रामों के कृषक लाभान्वित होंगे।

भजन की व्यवस्था तेरी भोजन की व्यवस्था मेरीः बटुक महाराज

भोपाल। राजधानी में आज से सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। गौवत्स पं. अंकितकृष्ण तेनगुरिया बटुक महाराज कथा श्रवण कराएंगे। कथा के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई प्रथम दिवस की कथा में पूज्य महाराज ने भागवत की महिमा एवं महात्म्य को बताते हुए कहा कि भक्त भगवान का भजन करता है, तो उसके भोजन की व्यवस्था स्वयं भगवान करते हैं, भागवत की कथा मुक्ति प्रदान करने वाली है । श्री बटेश्वर भागवत सेवा संस्थान शिष्य मंडल के तत्वावधान में समस्त क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजित संतोषी माता मंदिर नवीन नगर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आज प्रथम दिवस संपन्न हुआ। 16 जनवरी तक प्रतिदिन कथा का समय दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा।

डिजिटल मीडिया का हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार में अहम् योगदानः अविनाश

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय भाषा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व हिंदी दिवस की इस वर्ष की थीम,हिंदी: एकता एवं सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज विषय पर केंद्रित निबंध प्रतियोगिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। विशिष्ट अतिथि के रुप में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलसचिव प्रो. अविनाश बाजपेयी ने हिंदी के लोक व्यापीकरण में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की भूमिका को रेखांकित किया। भारतीय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी ने 10 जनवरी, विश्व हिंदी दिवस एवं 14 सितंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय हिंदी दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विदेशों में भारतीय दूतावास इस दिन हिंदी के गौरव और उत्थान के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं,उसी प्रकार भारत की आज की हिंदी प्रेमी, सुधी युवा पीढ़ी को अपने दैनंदिन जीवन में हिंदी का राजदूत बनकर कार्य करना चाहिए। डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करके, हिंदी भाषा के अधिकाधिक उपयोग और उसे जन-जन के रोजगार की भाषा बनाने का कार्य प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए क्योंकि यही उनकी असल पहचान है और भारतीय संस्कृति की गौरव शाली परंपरा से जुड़ी है । डॉ. राखी तिवारी ने कहा कि हिंदी में उत्कृष्ट संवाद शैली के प्रचलन को बढ़ाने में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का अहम योगदान हो सकता है अकादमिक मेंटर डॉ. मणिकंठन नायर ने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के मध्य समन्वय बढ़ाने का आग्रह कर आभार व्यक्त किया।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

प्रवासी भारतीय 'विकसित...

कौशल लेकर आए हैं। बल्कि वे मूल्य और लोकाचार भी लेकर आए हैं जो सहस्राब्दियों से हमारी सभ्यता की नींव रहे हैं। चाहे वह प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कला या उद्यमिता के क्षेत्र में हो, प्रवासी भारतीयों ने ऐसी छाप छोड़ी है जिसे दुनिया स्वीकार करती है और सम्मान देती है। राष्ट्रपति ने सभी प्रवासी भारतीय सम्मान विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता की कहानियाँ न केवल भारत के लिए गौरव की बात हैं, बल्कि वे दुनिया भर में लाखों लोगों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित भी करती हैं। श्रीमती मुर्मु ने त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू को भी बधाई दी और कहा कि महिलाओं और प्रवासी भारतीयों पर विशेष ध्यान देने के साथ अपने देश का नेतृत्व करने में उनके उत्कृष्ट योगदान ने विश्व मंच पर एक उच्च मानक स्थापित किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक ऐसा मंच है जहां विचारों का संगम होता है, सहयोग स्थापित होता है और भारत और प्रवासी भारतीयों के बीच संबंध मजबूत होते हैं। भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के शाश्वत दर्शन का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह दृष्टिकोण एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के बारे में है जो न केवल हमारी आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि वैश्विक कल्याण में भी योगदान देता है। उन्होंने कहा , हम एक ऐसा राष्ट्र बनना चाहते हैं जो आर्थिक प्रगति को सामाजिक न्याय और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करे, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उवल भविष्य सुनिश्चित हो। इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने में प्रवासी भारतीय समुदाय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति ने कहा , जैसे-जैसे हम अपने प्रवासी भारतीय परिवार की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, हमें आशा और दृढ़ संकल्प के साथ भविष्य की ओर भी देखना चाहिए। हम सब मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं, एक ऐसा राष्ट्र जो वैश्विक मंच पर ऊंचा स्थान रखता है और दुनिया के लिए प्रकाश की किरण बना रहता है।

महिला सशक्तिकरण विकास...

किए हैं। इससे महिलाओं की जीवनशैली में सुधार हुआ है और उन्हें रसोई में सुरक्षा और सुविधा मिल रही है। विदेश मंत्री ने कहा,महिलाओं को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना शुरू की गई है, जिसके तहत उन्हें छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए कर्ज दिया जा रहा है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता की ओर बढ़ने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा,महिलाओं को परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए सरकार ने मातृत्व अवकाश को 16 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया है। इस फैसले से कामकाजी महिलाओं को अपने बच्चे के पालन-पोषण के साथ-साथ काम पर लौटने का समय मिलता है। डा. जयशंकर ने कहा,लिंग अनुपात में सुधार और महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत लड़कियों की शिक्षा और उनकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। डा. जयशंकर ने इससे पूर्व शुक्रवार तक आयोजित तीन दिवसीय 'प्रवासी भारतीय दिवस' के ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित उदघाटन समारोह में भी भाग लिया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राज्य में निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना था।

वैश्विक समुदाय से...

एक साथ आते हैं। जो सीमाओं से परे एक बंधन में बंधे रहते हैं। इस द्विवार्षिक आयोजन के पीछे के विजन के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि यह एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों के लिए अपने उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए मिलन स्थल साबित हुआ है। उन्होंने इसे विभिन्न उद्योगों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त विकास और सह-उत्पादन के अवसरों को बढ़ाने की दिशा में रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए एक मंच के रूप में परिभाषित किया। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि आज भारत के पास एशिया में सबसे बड़ा रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र है और सरकार क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र नए उद्यम और साझेदारी स्थापित करने की इच्छुक विदेशी कंपनियों के लिए एक आकर्षक अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के बीच सहयोग के माध्यम से भारतीय वायु सेना के लिए सी-295 परिवहन विमान की विनिर्माण सुविधा की स्थापना के महत्वपूर्ण मील के पत्थर का हवाला दिया।

आप ने पूर्वांचल...

कालोनियों में रहते हैं। वर्ष 2014 के पहले तक इन कच्ची कालोनियों में लोगों का जीना मुश्किल था। कच्ची कालोनियों में 90 फीसद से ज्यादा लोग पूर्वांचली रहते हैं। भाजपा बताए कि उसने 10 साल में कच्ची कालोनियों के लिए क्या किया? क्या भाजपा ने कच्ची कालोनियों में एक भी सड़क या गली बनवाई है? इन्होंने कोई विकास का काम नहीं किया जबकि इनके पास खूब पैसा और पावर था । आप नेता ने कहा कि उन्होंने दिल्ली की सारी कच्ची कालोनियों में सड़कें और गलियां बनवाईं, सीसीटीवी कैमरे लगवाए, नालियां बनवाईं, सीवर के कनेक्शन दिए। पानी की पाइप लाइन डलवाई। अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। बच्चों के लिए स्कूल बनवाए। कच्ची कालोनियों में रहने वाले लोगों को मैंने सम्मान की जिंदगी दी है। वर्ष 2015 में जिन कच्ची कालोनियों में जमीन की कीमत तीन हजार रुपए प्रति गज होता था, आज वहां एक लाख रुपए से ऊपर प्रति गज का रेट है। लोगों को सम्मान की जिंदगी मिली है।

भारतीय दर्शन और वेदान्त के प्रतीक स्वामी रामतीर्थजी : कृष्णा गौर

भोपाल। तुलसी मानस प्रतिष्ठान के तत्वावधान में तथा भारत सरकार संस्कृति विभाग के सौजन्य से स्वामी रामतीर्थ के 150 वीं जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित सप्तदिवसीय प्रदर्शनी मानस भवन के स्वामी सत्यमित्रानंद सभागार का उद्घाटन शुक्रवार दोपहर श्रीमती कृष्णा गौर राज्य मंत्री के करकमलों से हुआ। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा स्वामी रामतीर्थ के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्जवलन किया गया। श्रीमती गौर ने प्रदर्शनी के अवलोकन पश्चात् कहा कि भारतीय दर्शन और वेदान्त के प्रतीक स्वामी रामतीर्थजी के योगदान को इस प्रदर्शनी के माध्यम से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह प्रदर्शनी सही अर्थों में हमारी संस्कृति का दर्शन है। कार्यक्रम में तुलसी मानस प्रतिष्ठान की मासिक मुखपत्रिका 'तुलसी मानस भारती' जो स्वामी रामतीर्थ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित है के माह जनवरी विशेषांक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। विमोचन के अवसर पर कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा,सचिव कैलाश जोशी,प्रधान संपादक प्रभुदयाल मिश्र,संपादक देवेन्द्र रावत, विजय अग्रवाल,कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र शर्मा,संयोजक, रमेशशर्मा, पं.बांकेविहारी, महेश दुबे, निदेशक पं.रामकिंकर उपाध्याय पुस्तकालय एवं शोध संस्थान, एम.पी. उपाध्याय, महेन्द्र निगम, शैलेन्द्र निगम उपस्थित थे।

शिवधुनी के लिए तीन दिनी अनुष्ठान 12 से

भोपाल (हिनप्र)। पूर्ण ज्योति सेवा संस्था हरि ओम नम. शिवाय धुनी का आयोजन करेगी जो 12 से 14 जनवरी तक चलेगी। शिवपुराण कथा वाचक मुकेशजी के सानिध्य में होने वाली शिवधुनी की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। 12 जनवरी को होगी, जो 14 तक चलेगी

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम DHARMENDRA था। जो कि मेरी दसवीं की अंकसूची में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर DHARMENDRA CHOUHAN हो गया है। अतः अब मुझे मेरे इसी नए नाम DHARMENDRA CHOUHAN S/O RAGHUVEER से ही जाना व पहचाना जाए।

ADDRESS :
WARD NO. 9, BUDHNI, DISTRICT SEHORE, M.P.- 466445

3191

बहिराणा साहिब के विसर्जन के साथ चालीहा का समापन

भोपाल (हिनप्र)। भगवान झूलेलालजी के 26 वें वंशज ठकुर साईं मनीषलाल साहिबजी (साईं भरूचवारा) के आह्वान पर नाहीरी माह झूलेलाल चालीहा साहिब प्रभात फेरी का शुक्रवार को बहिराणा साहिब की जोत विसर्जन के साथ समापन हुआ।सिंधी समाज के इष्ट देव भगवान श्री झूलेलाल जी के वंशज ठकुर अपने शिष्यों एवं अनुयायियों के भले एवं कल्याण के लिए 40 दिन का कठिन उपवास रखकर संतनगर में प्रभात फेरी निकाली। श

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Engineering Department Notice Inviting e-Tenders
Dated 08.01.2025

Online percentage/item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document in Rs.	Period of Completion (in Months)	SOR
	2025 _UAD_ 393939_1	CONST. OF C.C. ROAD FROM GEETA MOHAN HOUSE TO P.H.E QUARTER AND AMAR MEWADA HOUSE TO LAKHAN HOUSE AND GULAB HOUSE TO KANAHIYA HOUSE AT BEHTA GAON WARD 04 ZONE 01 SANT HIRDARAM NAGA	993399.00	9934.00	20000.00	03Maths	MPUADD ISSR 2021
	2025_ UAD_ 393968_1	CONST. OF C.C. ROAD AT NARESH KIRTANI GALI PUNJAB NATIONAL BANK ROAD AND BEHIND MEERAS BARTAN MARKET WARD 04 ZONE 01 SANT HIRDARAM NAGAR	454480.00	4545.00	2000.00	02 Months	MPUADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/ 2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30 A.M. (time) 09.01.2025 (Date) to 17:30 P.M. (Time) 23.01.2025 (date).

TN 1097/024/025

MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, रूसल्ली, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक एस. एल.-86 मण्डल द्वारा श्रीमती विमला बाई पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार के नाम से आवंटित है । उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 24/07/2013 को पंजीकृत है । श्रीमती विमला बाई पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा उक्त सम्पत्ति (1) श्री अज्ञाराम बघेल आत्मज श्री भैयालाल बघेल (2) श्री जगतराम आत्मज श्री भैयालाल को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 7.1.2025 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता/ विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति (1)श्री आज्ञाराम बघेल आत्मज श्री भैयालाल बघेल (2) श्री जगतराम आत्मज श्री भैयालाल के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/ वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

3187 **सम्पदा अधिकारी**
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1 भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक 819/ए मण्डल द्वारा श्री नईम खान आत्मज श्री अब्दुल गनी के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 30/04/2019 को पंजीकृत है। श्री नईम खान आत्मज श्री अब्दुल गनी द्वारा उक्त सम्पत्ति का मुख्तार आम श्री मलिक अब्दुल हफीज आत्मज श्री मलिक अब्दुल गफ्फार को नियुक्त कर दिनांक 6/6/2022 को पंजीकृत किया गया। उक्त मुख्ताग्रहिता द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती शीबा खान पत्नी श्री परवेज खान को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 4.11.2022 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता/विक्रेता के मुख्तारग्रहिता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती शीबा खान पत्नी श्री परवेज खान के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

3188 **सम्पदा अधिकारी**
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1 भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक-760/ए मण्डल द्वारा श्री अली असगर सैफी आत्मज श्री अकबर अली सैफी के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 17/01/2005 को पंजीकृत है। श्री अली असगर सैफी आत्मज श्री अकबर अली सैफी द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री अहमद नूर आत्मज श्री मोहम्मद शफी को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 31/03/2009 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री अहमद नूर आत्मज श्री मोहम्मद शफी के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी/ संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें । समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

3189 **सम्पदा अधिकारी**
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1 भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, प्रक्षेत्र-1, गोमतिका परिसर, जवाहर चौक भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, पलकमति पार्क, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित एम. आई. जी. फ्लेट क्रमांक एम.पी.-42 भू तल मण्डल द्वारा श्री नरेन्द्र कुमार राठौर आत्मज स्व. श्री राजमल राठौर के नाम से हस्तांतरित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 26/05/2014 को पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति की लीज समयावधि दिनांक 31/03/2030 तक वैध है। श्री नरेन्द्र कुमार राठौर आत्मज स्व. श्री राजमल राठौर द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती रश्मि दीक्षित पत्नी श्री प्रशांत दीक्षित को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है । जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27/12/2024 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती रश्मि दीक्षित पत्नी श्री प्रशांत दीक्षित के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

3190 **सम्पदा अधिकारी**
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1 भोपाल